Notes by Akhilesh Kumar (G T Assist. Professor)
J K College Biraul Darbhanga
YouTube : A commerce Education

Notes BY: AKHILESH KUMAR(Guest Teacher)

DEPARTMENT OF COMMERCE

JANTA KOSHI COLLEGE BIRAUL, DARBHANGA

FOR-LNMU B. Com part-2 Subsidiary paper -3 Indian economy and entrepreneurship development

***Unit- 5 Entrepreneurship Development* And For I. com**

Entrepreneurship Lecture-7

Easy to Understand the concept

प्रश्न- "उधमी वह व्यक्ति है, जो कुछ नहीं से निरंतर चलने वाले व्यावसायिक उपक्रम का सृजन करता है /" इस कथन की व्याख्या करते हुए उधमी के कार्यों को पर प्रकाश डालिए /

(An Entrepreneur is a person who creates an on going business enterprise from nothing. "Explain this statement and discuss the main functions of an entrepreneur.)

Ans- ***उधमी या साहसी के कार्य (Functions of Entrepreneur):***

i. ***पहल करना तथा जोखिम लेना (Initiation and Risk Taking)- उधमी का प्रमुख कार्य आर्थिक एवं व्यावसायिक क्रियाओं के प्रारंभ करने से पहल करना है एक जोखिम वहन करना है वर्तमान समय में उत्पादन प्रणाली की जटिलता, गला काट प्रतियोगिता, बदलती प्रौद्योगिक, श्रम समस्या एवं आदि जोखिम को निरंतर बढ़ाते रहते हैं। अपनी योग्यता के द्वारा जोखिम का प्रबंध करता है /***

ii. ***आर्थिक एवं व्यवसायिक अवसरों का ज्ञान (Perceiving the Economic and Business Opportunities)– प्रत्येक समाज में***

व्यक्ति के विकास के लिए अनेक अवसर होते हैं उन्हें आर्थिक क्षेत्रों में अवसरों की खोज करते हैं और इनके संबंध में आवश्यक ज्ञान प्राप्त करते हैं तथा अपने परिवार से इन अवसरों का विदोहन करते हैं |

iii. परियोजना नियोजन (Project Planning)- परियोजना नियोजन से भी महत्वपूर्ण कार्य है परियोजना नियोजन से प्रारंभिक अनुसंधानकर्ता है आवश्यक सूचना एकत्रित करता है सूचना का विश्लेषण के विभिन्न विकास करते हैं तथा सर्वोत्तम विकल्प का चयन करता है|

iv. परियोजना/सम्भाव्यता प्रतिवेदन तैयार करना (Preparing the Project / Feasibility Report)- उधमी यह प्रतिवेदन भावी उपक्रम की स्थापना में आने वाली लागत एवं परियोजना की लाभदायकता को प्रकट करने के लिए तैयार करता है | इस प्रतिवेदन में उत्पादित की जाने वाली वस्तु,पूंजी,श्रम,मशीन,कच्चा माल, कार्यशील पूंजी आदि के संबंध में विस्तृत विवेचन होता है |

v. परियोजना का अनुमोदन करना (Approval of the Project)- उधमी उपक्रम का पंजीयन करवाने, विभिन्न सरकारी विभागों के संस्थाओं में सुविधा प्राप्त करने, बैंक के वित्तीय

संस्थाओं में भी प्राप्ति करने आदि के लिए संबंधित विभागों के संस्थाओं को परियोजना प्रतिवेदन प्रस्तुत करता है |

vi. उपक्रम स्थापित करना (Establishing the Enterprise)- उधमी पूर्व निर्धारित योजनाओं के अनुसार उपक्रम स्थापित करता है | उपक्रम की स्थापना कच्चे माल, एवं श्रम की उपलब्धता, विकास की आधारभूत सुविधाओं, बाजार की निकटता आधी को ध्यान में रखते हुए की जाती है | उपक्रम की स्थापना के साथ-साथ वैज्ञानिक विधि से संयंत्र अभियान अभिनियास किया जाता है |

vii. वित्त प्राप्ति करना (Arranging Finance) – उधमी उपक्रम की अल्पकालीन एवं दीर्घकालीन पूंजीगत आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए स्थाई एवं क्रियाशील पूंजी की व्यवस्था करता है| वह विभिन्न स्त्रोतों का तुलनात्मक अध्ययन करके ही उपयुक्त निर्णय लेता है |

viii. उपक्रम का प्रबंध करना (Managing the Enterprise)- उपक्रम की स्थापना के बाद आदमी को इसका सफल संचालन एवं प्रबंध करना होता है | छोटे उद्योगों में उधमी ही प्रबंधक के रूप में कार्य करता है, परंतु बड़े उद्योगों में उधमी को पेशेवर प्रबंधक की सेवा लेनी पड़ती है | पेशेवर

प्रबंधक को नियुक्त किए जाने की दशा में उद्यमी मुख्यतः नीति निर्धारण व नेतृत्व का कार्य करता है |

ix. नवप्रवर्तन एक विभेदीकरण (Innovations and Diversifications)- उधमी का प्रमुख कार्य नाव-करण होता है | उधमी समाज में नई - नई खोज को जन्म देता है | वह शोध एवं अनुसंधान द्वारा तकनीकी एवं व्यवसायिक नव-प्रवर्तन करता है नये उत्पाद विकसित कर, उत्पाद विभेदीकरण करता है जिससे उपक्रम का विस्तार होता है |

x. उधमिता विकास कार्यक्रमों में भाग लेना (To Participate in Entrepreneurship Development Programmes)- उधमियो के विकास हेतु सरकारी विभाग एवं संस्थाएं, बैंक के वित्तीय संस्थाएं, प्रबंध संस्थान आदि समय-समय पर विकास कार्यक्रम एवं विचार गोष्ठियों आयोजित करते हैं | उद्यमी को इन कार्यक्रमों में भाग लेना चाहिए | इन कार्यक्रमों के माध्यम उधमी को व्यवसायिक परिवर्तनों एवं विचारधाराओं की जानकारी होती है | उपकरण एवं नवप्रवर्तन संबंधित समस्याओं पर विचार विमर्श होने के कारण आदमी के ज्ञान में वृद्धि होती है |

xi. सामाजिक विकास में योगदान (To Contribute in Social Development)- प्रत्येक उद्यमी को सामाजिक कार्यों में योगदान देना चाहिए, क्योंकि उद्यमी समाज में विकसित होता है | इसलिए उसे समाज विशेष रुप से स्थानीय समाज के विकास के लिए कार्य करना चाहिए उसे भौतिक एवं मानवीय संसाधनों, का मित्व्ययितापुर्वक सर्वोत्तम प्रयोग करना चाहिए | स्थानीय लोगों को रोजगार देना चाहिए समाज के विभिन्न पक्षों के प्रति सामाजिक दायित्व की पूर्ति करनी चाहिए |

xii. वितरणात्मक कार्य करना (Distributional Function)- वितरणात्मक कार्य के अंतर्गत उधमी उत्पादन के प्रत्येक साधन को उसकी सेवा के बदले में प्रतिफल प्रदान करता है अर्थात पूजने उद्योग की आय को उत्पत्ति के विभिन्न साधनों में वितरित करता है |

xiii. कुशल विपणन व्यवस्था करना (Making Efficient Marketing Arran)- कुशल विपणन व्यवस्था करना भी उधमी का एक प्रमुख कार्य है इसके लिए उधमी बाजार अनुसंधान, विक्रय पूर्वानुमान, विक्रय संवर्धन, विज्ञापन

आदि कार्य संपन्न करता है /मुझे मेरा वह कुशल मध्यस्थों एवं विक्रय कर्ताओं की नियुक्ति करता है /